

Name: \_\_\_\_\_ Date: \_\_\_\_\_

## बस की यात्रा

प्रश्न-1 लेखक की चिंता क्यों जाती रही?

उत्तर

---

---

---

---

प्रश्न-2 'हर हिस्सा असहयोग कर रहा था' इस पंक्ति में क्या व्यंग्य निहितार्थ है?

उत्तर

---

---

---

---

प्रश्न-3 "ग़ज़ब हो गया। ऐसी बस अपने आप चलती है।" लेखक को यह सुनकर हैरानी क्यों हुई?

उत्तर

---

---

---

---

## बस की यात्रा

प्रश्न-1 लेखक की चिंता क्यों जाती रही?

उत्तर बस में जब पहली बार खराबी आई तो लेखक को चिंता हुई, पर जब खटारा बस में एक के बाद एक समस्या उत्पन्न होती गई तो अंत में लेखक ने समय से पन्ना पहुँचने की उम्मीद छोड़ दी और परिस्थिति से समझौता कर लिया। इसलिए लेखक की चिंता जाती रही।

प्रश्न-2 'हर हिस्सा असहयोग कर रहा था' इस पंक्ति में क्या व्यंग्य निहितार्थ है?

उत्तर 'हर हिस्सा असहयोग कर रहा था' इस पंक्ति में लेखक ने यह व्यंग्य किया है कि चलते समय बस की पूरी बाँडी हिल रही थी। बस के कल-पुर्जे, बाँडी, सीट इत्यादि सभी हिल - रहे थे। वे ठीक से कसे हुए नहीं थे, जिससे उसमें तारतम्य का अभाव था और बस आवाज़ के साथ हिलते हुए आगे बढ़ रही थी।

प्रश्न-3 “गज़ब हो गया। ऐसी बस अपने आप चलती है।” लेखक को यह सुनकर हैरानी क्यों हुई?

उत्तर बस की हालत बहुत खराब थी। बस की वर्तमान स्थिति देखते हुए इस प्रकार का आश्चर्य व्यक्त करना स्वाभाविक था। देखने से लग नहीं रहा था कि बस चलती भी होगी परन्तु जब लेखक ने बस के हिस्सेदार से पूछा तो उसने कहा चलेगी ही नहीं, अपने आप चलेगी।